IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 5, Issue 2, January 2025

राजस्थान में ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर कोविड–19 का प्रभाव

अक्षय कुलहरि, शोधार्थी, श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला विश्वविद्यालय, झुन्झुनू
डॉ. शिवकुमार, सहायकआचार्य, श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला विश्वविद्यालय, झुन्झुनू

सारांश–राजस्थान में कोविड–19 के एक लाख से अधिक मामले सामने आने के बाद भी ग्रामीण इलाकों में इस बीमारी के मामलों के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। ऐसी किसी भी घटना के बावजूद ग्रामीण इलाकों में 25 मार्च से लगाए गए लॉकडाउन का सबसे अधिकअसर देखने को मिला है। बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों के ग्रामीण इलाकों में लौटने से कोविड–19 के फैलने और सामाजिक–आर्थिक स्थिति के बिगड़ने की दोहरी मार पड़ी है। मौजूदा अध्ययन में प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा और राजस्थान में ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर कोविड–19 के प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई है। अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष बताते हैं कि राजस्थान में अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में काम करने वाले 400 मिलियन मजदूरों के इस संकट के दौरान गरीबी में और अधिक फंसने का जोखिम है। कम टेस्टिंग के कारण कोविड–19 मामलों की कम रिपोर्टिंग के परिणामस्वरूप सामुदायिक प्रसार हुआ। रिवर्स माइग्रेशन से कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बना, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोग गरीबहो गये। कोविड–19 का राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों तरह का प्रभाव पड़ा। सरकारी आर्थिक पैकेज में मुख्य रूप से दीर्घकालिक उपाय शामिल हैं, जबकि प्रवासी मजदूरों और सीमांत किसानों को बचाने के लिए नकद प्रोत्साहन और मजदूरी सब्सिडी जैसे अल्पकालिक उपाय दिए जाने चाहिए। सबसे बढ़कर, सिस्टम में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सबसे बड़ी चुनौती है।

कीवर्ड:– कोविड–19, प्रवासी मजदूर, कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था